

सोशल मीडिया का युवाओं के सामाजिक व्यवहार पर

प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

डॉ. प्रियंका पांडेय

अतिथि विद्वान - समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह केवल संचार का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संबंधों, विचारों, पहचान और व्यवहार को भी गहराई से प्रभावित करता है। इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं के सामाजिक व्यवहार पर सोशल मीडिया के प्रभाव का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अध्ययन करना है।

इस अध्ययन में यह विश्लेषण किया गया है कि सोशल मीडिया किस प्रकार युवाओं के सामाजिक संबंधों, आत्म-अभिव्यक्ति, सामाजिक पहचान और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावित करता है। शोध के लिए गुणात्मक (Qualitative) तथा मात्रात्मक (Quantitative) दोनों प्रकार की शोध पद्धतियों का उपयोग किया गया है। विभिन्न सर्वेक्षणों, शोध लेखों तथा समाजशास्त्रीय सिद्धांतों के आधार पर इस विषय का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने युवाओं को अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक नया मंच प्रदान किया है। इसके माध्यम से युवाओं के बीच सूचना का आदान-प्रदान तेज़ हुआ है तथा सामाजिक जागरूकता में भी वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, इसके अत्यधिक उपयोग से



सामाजिक अलगाव, मानसिक तनाव तथा आभासी संबंधों की अधिकता जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो रही हैं। अंततः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सोशल मीडिया का प्रभाव युवाओं के जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार का है। यदि इसका उपयोग संतुलित, विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ किया जाए तो यह सामाजिक विकास और जागरूकता का एक प्रभावी साधन बन सकता है।

